प्रश्न-पेपर ५5 मार्क्स १००

'हैम सं. प्र. म.' पाठ २७ थी ३० तथा ३५-३६

प्र. १ नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो। गमे ते - 10 ३० मार्क्स

(1) तमारे आवेल प्रकारोना २-३ जा पुरुषना मात्र प्रत्ययो लखो।

(२) सिच् कित् क्यारे थाय ते घटतां बहारना द्दष्टांत साथे लखो।

(3) सिच् प्रत्यय पर छतां वृद्धि क्यारे न थाय (पा. १८१ नि. ६) ते सद्दष्टांत जणावी सिच् प्रत्यय पर छतां क्यारे वृद्धि न थाय? (१८२-फूटनोंध)

(५) पाठ - २८ नि. २ केटली रीते लागी शके ते जणावी पाठ २८ नि. १3 शा माटे? ते लखो

(5) शुं अकारान्त स नो लोप क्योर्यथाय ? ते सद्दष्टांत जणावो (पाठ २८ नि. 17) (साथ्य तो क्यारे?)

(6) जे प्रकार आ. पदनो नथी तेमां आवतां धातुना आ. पद रूपो केवी रीते करवा? ते जणावी 6 ठा प्रकारमां धातुना जे आदेशो थाय छे ते लखो (196 नि. 5)

(7) पाठ 35 नि. १० केटली रीते लागी शके? ते जणावी पाठ 35 नि. १२मां कृ-गृ धातुनुं ग्रहण शा माटे? ते जणावो।

(8) प्रेरक कर्मणि वाक्य रचना बहारना द्दष्टांत थी समजावो।

(9) द्विरुक्तिमां दीर्घस्वर क्यारे न थाय ते जणावी पाठ 36 नि. ११/8 शा माटे? ते न होत तो केवां रूपो थात?

(10) सन्नन्त मां क्या-क्या धातुमां द्वित्व थतुं नथी ते जणावी तेना कर्तृसूचक मात्र शब्दो लखो।

(11) प्रेरक नि. ११-२ ना विरोधी द्दष्टांत बहारना आपी केम न लाग्यो ते समजावो।

प्र. २ नीचेना माटे धातु तथा शब्दों पूर्णमाहिती साथे लखो। गमे ते - 10 10 मार्क्स

(1) बलवो करवो (२) पूज्य (3) तिरस्कार (५) कदाग्रही
(5) छेड़ो (6) स्थापवुं (7) शांत (8) निषेध
(9) मोकलेल (10) विषय (11) स्त्री

प्र. 3 नीचेना रूपो ओलखावी साधनिका करी अर्थ लखो। गमे ते - ५ १२ मार्क्स

(1) सन्दुरधोद्वम् (२) अवावोढ (3) दुरहसत
(५) न्यववर्धः (5) आचिच्छायय:

प्र. ५ (अ) नीचेनाना मांग्या प्रमाणे अद्यतन कर्तरि रूपो लखो। गमे ते - 5 $7\frac{1}{2}$ मार्क्स

(1) सम् + गम् - 3 पु. (२) प्र + स्था - १-२ पु.
(3) क्रम् - २ पु. (५) तृप्-एकवचन
(5) परि + ऋ - १ पु. (6) निस् + धू - २ पु.

(ब) नीचेनाना कर्मणि रूपो लखो। गमे ते 5 $7\frac{1}{2}$ मार्क्स

(1) हन् - १ पु. (२) वि + धा - २ पु. (3) गुह् - 3 पु.
(५) आ + स्तृ - 3 पु. (5) अम् - 3 पु. (6) अधि + इ - २ पु.

प्र. 5 नीचेनाना माग्या प्रमाणे रूपो लखो । गमे ते ३ । २ मार्क्स

(१) नृत् - इच्छा., विध्यर्थ तथा क्रियातिपत्ति - आशी. - २ पु.

(२) सिव् - ,, ह्य. तथा आशी., अद्य. - ३ पु.

(३) जॄ ग. ४ प्रेरक कर्मणि ह्य., श्व. ३ पु.

(४) आध्ये + इ ,, कर्त्तरि अद्य. सामा. आ. १ पु.

प्र. ६ मासक्षमण तपनी सुखशाता पुछतो पत्र पू. गुरुदेव श्रीने संस्कृत भाषामां लखो । ७ मार्क्स

प्र. ७ नीचेनानी संधि छोड़ी गुजराती लखो । गमे ते - २ (१लो फरजियात) ४ मार्क्स

(१) आगताः पाण्डवाः सर्वे दुर्योधनसमीहया ।
तस्मै गां च सुवर्णं च विविधानि च रत्नानि ॥

(२) पाठ - ३६ सोऽजीगमत् (छेल्ले थी २ जो श्लोक)

(३) अत्यन्तघोरनरकपातप्रतिभुवामहो ।
विषयाणां स्मरास्त्राणां मागास्त्वं भेदनीयताम् ॥

प्र. ८ नीचेनाना इच्छादर्शक भाव. नाम तथा कर्तृसूचक नाम लखो (विग्रह करीने) गमे ते ३

(१) ऋध् (२) उर्णु (३) क्लृप् (४) वृध् ६ मार्क्स

जवाब - प्र. २ (१) वि + प्लु - १. आ. (२) तत्रभवन् स.

(३) अवधीरणा (४) प्रतिनिविष्ट (५) पार न. (६) वि + नि + अस् ग. ४

(७) निर्वृत्त वि. (८) वारण न. (९) प्रोषित वि. (१०) गोचर पु. (११) सुभ्रू स्त्री.

प्र. ३

(१) सम् + दुर् + धु २ पु. ब. व. (२) अव + वद् ३ पु. ए. व.

(३) दुस् + हन् कर्मणि ३ पु. ब. व. (४) नि + वृध् - प्रे. अ. २ पु. ए. व.

(५) आवु रूप न थाय।